अध्यक्ष का स्वतंत्रता दिवस संदेश

15 अगस्त 2021

प्रिय मित्रों,

राष्ट्र के 75-वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ताम्र परिवार के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए हर्षित हूँ कि स्वतंत्रता के इस आनंदोत्सव को हम ''आजादी का अमृत महोत्सव'' के रुप में मना रहे हैं।

इस शुभ दिन पर, हम अपने उन स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जिन्होंने अपने जीवन को न्यौछावर कर दिया ताकि हम उनके सपनों के स्वतंत्र भारत में रह सकें। उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए यादगार रहेगा और हमें हमेशा आत्मनिर्भर, मजबूत और लचीला राष्ट्र के निर्माण के लिए प्रेरित करते रहेगा। हमारे स्वतंत्रता संग्राम के लोकाचार आधुनिक भारत की पहचान को आकार देते हैं।

वर्तमान में जारी महामारी के कारण हम इतिहास के सबसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं। हम डॉक्टरों, नर्सों और अन्य अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं के ऋणी हैं जो वायरस के प्रकोप के खिलाफ हमारी लड़ाई में लगातार सबसे आगे रहे हैं। हम उन कोरोना योद्धाओं के योगदान को नमन करते हैं जिन्होंने हमारे जीवन और आजीविका की रक्षा हेतु अपनी जान जोखिम में डाली है। इस अवसर पर, मैं उन कर्मचारियों और ताम्र परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को कोविड-19 में खो दिया। इसी क्रम में, एचसीएल दुनिया के सबसे बड़े मुफ्त टीकाकरण अभियान - भारत में फ्री-फॉर-ऑल कोविड-19 टीकाकरण अभियान की शुरुआत की सराहना करता है। कंपनी इस उद्देश्य के लिए प्रतिबद्ध है और इस मिशन को सफल बनाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है।

निकट भविष्य में, अर्थव्यवस्था निश्चित रूप से भारत को महामारी पश्चात द्रुत औद्योगिक सुधार के चरण में ले जाएगी। देश का खनन क्षेत्र, जो रोजगार पैदा करने में कृषि के बाद दूसरे स्थान पर है, को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। यह क्षेत्र प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 1.1 करोड़ लोगों को रोजगार देता है और देश में लगभग 5.5 करोड़ लोगों की आजीविका का निर्वाह करता है। इसी तरह, खनन में 1% की वृद्धि से औद्योगिक उत्पादन में 1.5% की वृद्धि होती है। इसका महत्व तब कई गुना बढ़ जाता है जब हम अन्य संबद्ध क्षेत्रों पर विचार करते हैं जो अपने आजीविका और अस्तित्व के लिए इस पर निर्भर है।

अपनी विशाल क्षमता के बावजूद, भारतीय खनन क्षेत्र पिछले वर्षों में नीतिगत बाधाओं के कारण पिछड़ा रह गया। देश के 17% से अधिक भूमि क्षेत्र में खनिज भंडार के बावजूद मात्र 0.25% पर खनन किया जा रहा है। इस प्रकार, देश अनन्वेषित रह गया है और यह क्षेत्र निवेश आकर्षित करने में विफल रहा है। हालांकि, हाल के खनन सुधार खनन उद्योग के लिए अमृत-सादृष्य है, जो दीर्घकालिक प्रभाव, खनिज उत्पादन को तत्काल बढ़ावा, आसान व्यापार और लोक कल्याण पर संकेंद्रित है। यह ''सबके साथ, सबका विकास'' के विचारों को आगे बढ़ाएगा क्योंकि इसमें सुधारों में भागीदारी का विस्तार, उत्पादन में अभिवृद्धि और खनिज समृद्ध राज्यों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन की सुविधा प्रदान की गई है।

आगामी दिनों में, देश में कोविड-19 के प्रकोप से उबरने के साथ, बिजली, इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, परिवहन, निर्माण, रक्षा, रेलवे, आदि जैसे उद्योगों के लिए तेजी से विकास की उम्मीद है, जिससे तांबे की खपत में कई गुना वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त तांबा भविष्य की हरित अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। धातु के नए युग के मांग कारक सौर और पवन ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण और 5G नेटवर्क सहित स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र हैं। कोविड-19 ने अपने रोगाणुरोधी गुणों के कारण स्वास्थ्य उद्योग में ताम्र उपयोगिता की पुष्टि की है। इसके अलावा, अनुमानों में कहा गया है कि वैश्विक बाजार में बढ़ी हुई मांग, खदान उत्पादन की सीमित वृद्धि क्षमता और खनन किए जाने वाले अयस्क में औसतन ताम्र निम्न ग्रेड को देखते हुए तांबे की भारी कमी हो सकती है। इस प्रकार वास्तव में देश में तांबे की अयस्क क्षमता का आकलन, केंद्रित व व्यवस्थित हरित क्षेत्र की खोज, ब्राउनफील्ड अन्वेषण और खानों के विस्तार के साथ-साथ भारत में नई ताम्र खानों को विकसित करके ताम्र अयस्क सूची में अभिवृद्धि की वास्तविक आवश्यकता है।

आयातित तांबे पर देश की निर्भरता को कम करने के लिए, आयात बिल को कम करने और उद्योगों के लिए कच्चे माल की आपूर्ति में आत्मनिर्भरता की दिशा में, एचसीएल मौजूदा खानों के विस्तार, बंद खदानों को पुन: चालू करने और नई खदानें को खोलकर अपनी खनन क्षमता का विस्तार करने की योजना बना रहा है। यह सरकार के आह्वान 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के अनुरूप है और देश के ताम्र संसाधनों के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करके घरेलू ताम्र उद्योग के निर्माण में एक लंबा रास्ता तय करेगा। एचसीएल पर्यावरण, आर्थिक, सामुदायिक सुरक्षा और संसाधन दक्षता पर ध्यान देने के साथ स्थायी खनन प्रथाओं को पूर्णरुपेण अपनाने हेतु प्रतिबद्ध है।

हड़प्पा सभ्यताओं के समय से भारत में ताम्र खनन और धातु विज्ञान का एक लंबा इतिहास रहा है। भारत में प्राचीन तांबे के खनन का सबसे पुराना प्रमाण राजस्थान के खेतड़ी क्षेत्र में पाया गया है, जो लगभग तीसरी-दूसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व का है। एचसीएल ने राष्ट्र के लिए ताम्र खनिक के रूप में गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाया है।

कंपनी के लाभदायक और टिकाऊ बने रहने के लिए समय सीमा में विस्तार और उत्पादन लक्ष्यों को पूरा करना आवश्यक है। मैं इस कठिन समय के दौर में सभी कर्मचारियों, ट्रेड यूनियन नेताओं, अधिकारी संघों और अन्य सभी हितधारकों के समर्थन के लिए आभारी हूँ। ताम्र परिवार के प्रत्येक व्यक्ति का योगदान कंपनी की समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। यहां और अभी, ''आजादी का अमृत महोत्सव'' के उपलक्ष्य में, आइए हम कंपनी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प लें और इस तरह देश की सेवा के लिए खुद को समर्पित करें। मैं पिछले एक वर्ष के दौरान विभिन्न उपलब्धियों को हासिल करने में कंपनी के प्रत्येक कर्मचारी के योगदान को स्वीकार करता हूं। उदाहरणार्थ, कंपनी में बदलाव और उग्र महामारी के बावजूद अच्छा मुनाफा अर्जन, क्यूआईपी को सफलतापूर्वक लॉन्च करने वाला पहला गैर-बैंकिंग सीपीएसई बनना, घरेलू कस्टम स्मेल्टर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना, कर्मचारियों के बैकलॉग वेतन संशोधन बकाया वेतन को कम करके नीचे लाना, ऋण बोझ जून 2020 में लगभग 1650 करोड़ रुपये के शिखर से वर्तमान में लगभग 900 करोड़ रुपये तक लाना, इत्यादि। इस बीच, एमसीपी टीम दक्षिण और उत्तर भूमिगत खदानों को दो स्तरों में जोड़ने में सक्षम हुआ है। मुझे विश्वास है कि आपके निरंतर समर्थन और सहयोग से एचसीएल निश्चित रूप से नई ऊंचाइयों को छुएगा।

स्वतंत्र देश की पहचान हमारे भाग्य के निर्णय के लिए एक जिम्मेदारी लाती है। भारत अपने गौरवशाली अतीत और आशाजनक भविष्य से दुनिया को बदलने की ताकत रखता है। देश के पास वैश्विक समुदाय के लिए विशेष रूप से बौद्धिक और आध्यात्मिक संवर्धन और विश्व शांति को बढ़ावा देने के लिए बहुत कुछ है। इसी भावना के साथ, मैं आपके स्वास्थ्य, सुख, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना कर अपनी बात समाप्त करना चाहूंगा।

धन्यवाद, जय हिन्द।

(अरुण कुमार शुक्ला)
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
15 अगस्त 2021